30-09-2023

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान द्वारा हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया

दैनिक देश मोर्चा
संवाददाता मनी वर्मा

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर में सरकारी कामकाज में हिंदी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दिनांक 14 सितंबर से 28 सितंबर 2023 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया जिसका समापन समारोह आज संपन्न हुआ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर विनय पाठक, कुलपति छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय थे कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ अपने स्वागत भाषण में संस्थान के निदेशक श्री नरेंद्र मोहन ने उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अधीन कार्यरत कार्यालयों में उत्तम प्रदर्शन हेतु संस्थान को 2 वर्षों से लगातार शील्ड प्राप्त किए जाने पर बधाई दी उन्होंने कहा कि हिंदी के कार्यों में लगातार प्रगति हुई है और संस्थान द्वारा चीनी मिलों में प्रयुक्त तकनीकी शब्दावली के पुनर्निरीक्षण का कार्य एवं चीनी मिलों के संचालन हेतु एक मार्गदर्शिका के हिंदी में बनने का कार्य अंतिम चरण में है इस अवसर पर संस्थान द्वारा चालू की गई राजभाषा पत्रिका शर्करा भारती के प्रथम अंक का विमोचन भी किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर विनय पाठक, कुलपति ने हिंदी में अधिकाधिक तकनीकी पुस्तकों को लिखे जाने हेतु संस्थान के शिक्षकों का आह्वान किया ताकि बड़े पैमाने पर ग्रामीण अंचलों से आने वाले छात्रों को सुविधा हो सके कार्यक्रम में हिंदी टिप्पण आलेखन हिंदी आशुलिपि हिंदी टंकण, हिंदी निबंध, हिंदी व्याख्यान इत्यादि हेतु अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्रों को लगभग 85 पुरस्कार प्रदान किए गए कार्यक्रम का संचालन श्रीमती मल्लिका द्विवेदी, सहायक निदेशक (राजभाषा) द्वारा किया गया।

एनएसआई में हिन्दी पखवाड़े का हुआ समापन

कानपुर (नगर छाया समाचार)। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर में सरकारी कामकाज में हिंदी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दिनांक 14 सितंबर से 28 सितंबर तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। जिसका समापन समारोह शुक्रवार को संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, प्रोफेसर विनय पाठक, कुलपति, छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय थे। कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ। अपने स्वागत भाषण में संस्थान के निदेशक श्री नरेंद्र मोहन ने उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अधीन कार्यरत कार्यालयों में उत्तम प्रदर्शन हेतु संस्थान को 2 वर्षों से लगातार शील्ड प्राप्त किए जाने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि हिंदी के कार्यों में लगातार प्रगति हुई है और संस्थान द्वारा चीनी मिलों में प्रयुक्त तकनीकी शब्दावली के पुनर्निरीक्षण का कार्य एवं चीनी मिलों के संचालन हेतु एक मार्गदर्शिका के हिंदी में बनने का कार्य अंतिम चरण में है। इस अवसर पर संस्थान द्वारा चालू की गई राजभाषा पत्रिका ''शर्करा भारती '' के प्रथम अंक का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, प्रोफेसर विनय पाठक, कुलपति ने हिंदी में अधिकाधिक तकनीकी पुस्तकों को लिखे जाने हेतु संस्थान के शिक्षकों का आह्वान किया ताकि बड़े पैमाने पर ग्रामीण अंचलों से आने वाले छात्रों को सुविधा हो सके। कार्यक्रम में हिंदी टिप्पण आलेखन, हिंदी आशुलिपि, हिंदी टंकण, हिंदी निबंध, हिंदी व्याख्यान इत्यादि हेतु अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्रों को लगभग 85 पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती मल्लिका द्विवेदी, सहायक निदेशक (राजभाषा) द्वारा किया गया।

हिंदी पखवाड़ा के समापन पर पत्रिका 'शर्करा भारती' का हुआ विमोचन

कानपुर (एसएनबी)। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में 14 से 28 सितम्बर तक आयोजित हिंदी पखवाड़ा के समापन समारोह में संस्थान की पत्रिका 'शर्करा भारती' के पहले अंक का विमोचन मुख्य अतिथि सीएसजेएमयू के कुलपति प्रो.विनय कुमार पाठक ने किया। इस मौके पर हिंदी पखवाड़ा के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में हिंदी प्रतियोगिता की विजेता को पुरस्कार देते मुख्य अतिथि प्रो. विनय पाठक व प्रो. नरेंद्र मोहन। फोटो : एसएनबी

समापन समारोह में संस्थान के निदेशक प्रो.नरेन्द्र मोहन ने इस बात पर प्रसन्नता जतायी कि उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अधीन कार्यरत कार्यालयों में उत्तम प्रदर्शन के लिये एनएसआई को लगातार दूसरे वर्ष शील्ड प्रदान की गयी है। इसके लिये उन्होंने संस्थान के सभी कर्मचारियों व अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि हिंदी के कार्यों में लगातार प्रगति हुयी है। चीनी मिलों में प्रयुक्त तकनीकी शब्दावली के पुनरीक्षण का कार्य और चीनी मिलों के संचालन के लिये एक मार्गदर्शिका को हिंदी में प्रकाशित कराने का कार्य अंतिम चरण में है। वहीं मुख्य अतिथि छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के कुलपति प्रो.विनय कुमार पाठक ने संस्थान की पत्रिका 'शर्करा भारती' के प्रथम अंक का विमोचन करते हुए हिंदी में अधिकाधिक तकनीकी पुस्तकें लिखने के लिये संस्थान के शिक्षकों से आगे आने को कहा।

उन्होंने कहा कि इससे बड़े पैमाने पर ग्रामीण अंचलों से आने वाले छात्रों को खासी सुविधा हो जायेगी। कुलपति ने हिंदी पखवाड़ा के दौरान आयोजित हिंदी टिप्पण आलेखन, हिंदी आशुलिपि, हिंदी टंकण, हिंदी निबंध, हिंदी व्याख्यान आदि प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम का संचालन सहायक निदेशक राजभाषा मल्लिका द्विवेदी ने किया।